सूरेह नस्र

बिस्मिल्लाह-हिर्रहमान-निर्रहीम

शुरू करता हो अल्लाह के नाम से जो निहायत रेहम करने वाला है।

1. इज़ा जा आ नसरुल्ला ही वल फतह

जब अल्लाह की मदद और फतेह आ पहुंचे।

2. वरा अयतन्नासा यदखुलूना फी दीनिल ल्लाही अफ़वाजा

और आप लोगो ने अपनी आंखों से देख लिया कि अल्लाह के दीन में इंसानों की फौज दर फौज दाख़िल हो रहे हैं।

3. फसब्बिह बिहमदी रब्बिका वस्तगफिरहू, इन्नहू काना तौव्वाबा

तुम बस अपने परवरदिगार की तारीफ करो और उस से रेहम और मग़फ़िरत की दुआ मांगते रहो बेशक अल्लाह पाक तुम्हारी तमाम तौबा कबूल फरमाएंगे।